कक्षा - VIII (आठवीं)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देशः

1. इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं– खंड 'क' 'ख' 'ग' और 'घ'।
2. सभी खंड अनिवार्य हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित दो प्रश्न पूछे गए हैं।
4. खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं।
5. खंड 'ग' में पाठ्य–पुस्तक पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
6. खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
7. प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
8. उत्तरपुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए, जो प्रश्न पत्र में दी गई है।

खंड– 'क'
(अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्राचीन नीति शास्त्र और ग्रंथों में भाग्य का महत्व स्वीकार किया गया है, लेकिन यह भी बताया गया है कि भाग्य के साथ–साथ कर्म यानी प्रयास और पुरुषार्थ का भी बड़ा महत्व है। पंचतंत्र की एक कथा का सार भाग्य और पुरुषार्थ के रहस्य को बताता है, कथा अनुसार एक अज्ञानी व्यक्ति सोचता है कि वह बिना मेहनत किए राजा के समान जी सकता है, लेकिन उसे यह बाद में पता चलता है कि बिना कर्म के सिर्फ भाग्य पर भरोसा करने से कुछ नहीं होता। इसलिए नीति शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य का भविष्य उसके हाथ में ही होता है और यदि वह सही दिशा में प्रयास करे तो वह अपने भाग्य को बदल सकता है। भाग्य और पुरुषार्थ के संतुलन को महत्वपूर्ण माना गया

है। भाग्य व्यक्ति के जीवन का एक हिस्सा है लेकिन सही समय पर सही कर्म और बुद्धिमानी से निर्णय लेना भी आवश्यक है। मनुस्मृति के अनुसार अगर व्यक्ति निष्क्रिय होकर सिर्फ भाग्य का इंतज़ार करता है, तो वह असफल हो सकता है। कर्म करने के बाद ही भाग्य का सही परिणाम मिलता है। महाभारत के अनुसार पुरुषार्थी भाग्य के अनुसार प्रतिष्ठा पाता है, पर अकर्मण्य असह्य दुःख भोगता है। भाग्य परिस्थितियों को निर्धारित कर सकता है, लेकिन व्यक्ति के कर्म ही उसके परिणाम को प्रभावित करते हैं। भाग्य और कर्म दोनों साथ–साथ चलते हैं, लेकिन कर्म करने वाला ही भाग्य के साथ सफल होता है।

(i) **भाग्य का सही परिणाम प्राप्त होता है–** (1)

(क) सही समय आने पर
(ख) कर्म करने के पश्चात्
(ग) दुःख भोगने के पश्चात
(घ) भाग्य की प्रतीक्षा करने पर

(ii) **मनुस्मृति के अनुसार मनुष्य की असफलता का कारण है–** (1)

(क) व्यक्ति का भाग्य पर भरोसा होना
(ख) भाग्य और पुरुषार्थ का संतुलन होना
(ग) दुःख में निर्णय लेने की क्षमता न होना
(घ) बिना कुछ किए भाग्य की प्रतीक्षा करना

(iii) **निम्नलिखित कथन और कारण को पढ़कर नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प का चयन कीजिए –** (1)

कथन (A) – पुरुषार्थी भाग्य के अनुसार प्रतिष्ठा पाता है, पर अकर्मण्य असह्य दुःख भोगता है।

कारण (R) – पुरुषार्थी अपने परिश्रम से ही अपना भाग्य लिखता है।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(ग) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) **भाग्य और पुरुषार्थ के किस रहस्य को कथा के माध्यम से उजागर किया गया है?** (2)

(v) **गद्यांश के अनुसार 'भाग्य और कर्म दोनों साथ–साथ चलते हैं?' इस कथन को स्पष्ट करते हुए अपने विचार लिखिए।** (2)

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रायः ऐसा होता है कोई भी वक्तव्य सुनने के बाद जब सुनने वालों से पूछें कि क्या बोला गया है, तो सौ लोगों के सौ जवाब मिलते हैं; जितने सुनने वाले, उतने ही अर्थ। इसलिए आपस में बड़े विवाद भी होते हैं। बुद्ध से एक बार उनके शिष्य ने पूछा, 'क्या हम वही सुन पाते हैं, जो आप बोलते हैं? जब मैं दूसरों से बात करता हूँ, तो पता चलता है कि उन्होंने कुछ और सुना, जबकि मैंने कुछ और।' बुद्ध ने कहा, "यह स्वाभाविक है। बोली तो एक ही बात जाती है, लेकिन सुनी उतनी जाती है जितने सुनने वाले होते हैं, क्योंकि तुम मन से सुनते हो, आत्मा से नहीं। कल रात मैंने अंतिम प्रवचन के बाद कहा कि– उठो; रात्रि का अंतिम कार्य करो। कल समागम में चोर और एक गृहस्थ भी आए थे। जब मैंने कहा कि अब रात्रि के अंतिम कार्य में संलग्न हो जाओ, तब तुम्हें ख्याल आया ध्यान का, चोर ने सोचा कि काफ़ी रात हो गई, चाँद ऊपर चढ़ आया है, अब चोर–कर्म का वक्त हुआ। गृहस्थ ने सोचा, बहुत देर हो गई, पता नहीं, घर जाने के लिए कोई वाहन अब मिलेगा भी या नहीं? मैंने एक बात कही थी। गृहस्थ ने अपना अर्थ लिया और चोर ने अपना। फिर भिक्षुकों ने भी इसके अलग–अलग अर्थ ही लिए होंगे।" सुनना बहुत कठिन है क्योंकि सुनने की कला वास्तव में कभी सिखाई नहीं जाती। बोलने की कला के तो बड़े प्रशिक्षण दिए जाते हैं। मगर यदि सुनने वाले सही न हों, तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है। सुनने के लिए आपका मन शांत और स्वीकार भाव में होना चाहिए।

(i) **कहे गए वक्तव्य का अलग–अलग लोगों द्वारा अलग–अलग जवाब क्यों मिलता है?** (1)

(क) अपनी मनःस्थिति के अनुरुप अर्थ लगाने के कारण
(ख) अपनी श्रवण–क्षमता के अनुरुप अर्थ लगाने के कारण
(ग) कही गयी बातों को ध्यान से न सुन पाने के कारण
(घ) कही गई बात का महत्व न जानने कारण

(ii) **शिष्य द्वारा बुद्ध से पूछा गया–** (1)

(क) संसार में लोगों के मन में व्याप्त आर्थिक भिन्नता और दुःखों का कारण
(ख) लोगों के बीच आपसी कहासुनी और विवाद का कारण
(ग) दो व्यक्तियों के बीच मन–मुटाव और भिन्नता का कारण
(घ) कही गई एक ही बात के भिन्न अर्थ ग्रहण करने का कारण

(iii) **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।** (1)

कथन (A) – लोगों के मध्य बड़े विवाद होते हैं।

कारण (R) – स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ समझना।

(क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) **बुद्ध की कही बात का गृहस्थ ने क्या अर्थ निकाला?** (2)

(v) **इस गद्यांश में किस कला के महत्व को उजागर किया गया है तथा उसे किस प्रकार विकसित किया जा सकता है?** (2)

खंड– 'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार अथवा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए– (1)

(i) संस्मरण (ii) ऊची

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए– (1)

(i) धम (ii) राष्ट

(ग) 'अति' उपसर्ग में मूल शब्द जोड़कर नया शब्द बनाइए। (1)

(घ) 'प्रभु' शब्द में उचित प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नया शब्द बनाइए। (1)

प्रश्न 4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) 'उपहार' शब्द के **दो पर्यायवाची शब्द** लिखिए। (1)

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित **विलोम शब्द** लिखिए – (1)

अपने ..... से मिलकर आ रहा हूँ। (अग्रज)

(ग) निम्नखित **वाक्यांश के लिए एक शब्द** लिखिए – (1)
जो आकाश में विचरने वाला है

प्रश्न 5. (क) **निम्नलिखित शब्द की संधि कीजिए–** (1)
इति+आदि

(ख) **'उमेश' शब्द का संधि–विच्छेद कीजिए।** (1)

प्रश्न 6. (क) **निम्नलिखित समस्तपद का विग्रह करके समास के भेद का नाम लिखिए–** (2)
(i) मालगोदाम (ii) स्त्री–पुरुष

(ख) **नीचे दिए गए विग्रह का समस्तपद बनाकर समास के भेद का नाम लिखिए–** (1)
नौ ग्रहों का समूह

प्रश्न 7. (क) **रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए–** (1)
जब तुम पढ़ रहे थे, तब मैं खेल रहा था।

(ख) **निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य–भेद लिखिए–** (1)
उसके पास एक भी कोट नहीं है।

प्रश्न 8. (क) **रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए परिभाषा को पूर्ण कीजिए–** (1)
जहाँ रूप, गुण आदि की समानता के कारण उपमेय में उपमान की सम्भावना या कल्पना की जाए वहाँ ..... अलंकार है।

(ख) **निम्नलिखित वाक्य–पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए–** (1)
काली सड़कें तारकोल की, अंगारे–सी जली पड़ी थी।

प्रश्न 9. **निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त स्थान पर उचित विराम–चिह्न लगाइए–** (2)

(i) आज मैंने प्रेमचंद की बड़े भाई साहब कहानी पढ़ी

(ii) गणतंत्र दिवस की परेड में बच्चे स्त्री पुरुष सभी एकत्रित हुए।

प्रश्न 10. **उचित मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–** (2)

(i) रात भर मच्छरों ने मेरी .....।

(ii) मंत्री बनाए जाने की खबर सुनते ही नेताजी के .....।

खंड– 'ग'
(पाठ्य–पुस्तक)

(1x5=5)

प्रश्न 11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

शब्द–चातुर्य से प्रतिकार–स्वरुप दिए गए तात्कालिक उत्तर चुटीले होते हुए भी बातचीत में सरसता, रोचकता व आकर्षण ला देते हैं। कटुता और विरोध की भावना पैदा किए बिना उद्देश्य को पूर्ण कर देते हैं। बातचीत में जितनी ही अधिक सावधानी, सजगता तथा संयम बरता जाता है; उतनी ही यह कला सार्थक तथा अमोघ सिद्ध होती है। आवेश तथा अतिप्रगल्भता बातचीत की कला को विकलांग बना देती है। आवश्यकता से अधिक बोलने से न केवल बातचीत की कला को आघात पहुँचता है, बल्कि बोलने वाले का महिमा–हरण होता है। जो व्यक्ति बात नहीं कर सकता उस व्यक्ति की विद्या कायर के हाथ के अस्त्र के समान है। बातचीत की कला में निपुणता प्राप्त करने के लिए सद्ग्रंथों का अध्ययन व विद्वानों का सत्संग तथा सभाओं आदि में उपस्थित होना अत्यंत लाभप्रद सिद्ध होता है।

(i) **बातचीत को आकर्षक बनाने का साधन है–**

(क) तात्कालिक शब्द– चातुर्य
(ख) स्वाभाविक मुस्कुराहट
(ग) तात्कालिक चुटीले उत्तर
(घ) सरसता, रोचकता, आकर्षण

(ii) **बातचीत में सावधानी बरतने की आवश्यकता क्यों होती है?**

(क) संयमित जीवन जीने हेतु
(ख) बातचीत की कला को सफल बनाने हेतु
(ग) दूसरों पर अपना रौब जमाने हेतु
(घ) बातचीत की कला को आघात से बचाने हेतु

(iii) **जो व्यक्ति बातचीत की कला में निपुण नहीं होता, उसके विषय में यह क्यों कहा गया कि "जो व्यक्ति बात नहीं कर सकता उस व्यक्ति की विद्या कायर के हाथ के अस्त्र के समान है?"**

(क) वह हीनभावना से ग्रस्त होकर जीता है।
(ख) वह अपने भावों को अपने मन में ही रखता है।
(ग) एक अच्छ वक्ता बिगड़े कामों को भी बना सकता है।
(घ) वह एक कायर की भाँति व्यवहार करता है।

(iv) **सद्ग्रंथों का अध्ययन व विद्वानों के सत्संग आदि से क्या लाभ होता है?**

(क) नए मित्र बनाने में सहायक होते हैं।

(ख) बातचीत शुरु करने में सफलता प्राप्त होती है।

(ग) व्यक्ति सामाजिक प्राणी बन जाता है।

(घ) बातचीत की कला में प्रवीणता प्राप्त होती है।

(v) **बातचीत की कला का ज्ञान होना क्यों आवश्यक है?**

(क) जीवन में उन्नति प्राप्त करने के लिए

(ख) किसी की निंदा कर हृदय का गुब्बार निकालने के लिए

(ग) अपनी समस्या का समाधान ढूँढने हेतु

(घ) विकल्प (ख) तथा (ग) सही

प्रश्न 12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1x5=5)

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का पड़ा रहन दो म्यान।।

कदली, सीप, भुजंग मुख, स्वाति एक गुन तीन।
जैसी संगति बैठिये, तैसोई फल दीन।।

रुठे सुजन मनाइए, जो रुठें सौ बार।
रहिमन फिरि–फिरि पोहिये टूटे मुक्ताहार।।

बिगड़ी बात बनै नहीं, लाख करो किन कोई।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय।।

(i) **'कदली, सीप, भुजंग मुख, स्वाति एक गुन तीन.....' दोहे के आधार पर स्वाति नक्षत्र की बूँद से प्राप्त तीन गुण हैं–**

(क) कदली–कपूर, सीप–बूँद, साँप–मोती

(ख) कदली–कपूर, सीप–मोती, साँप–विष

(ग) कदली–कुसुम, सीप–सुधा, साँप–जहर

(घ) कदली–कमल, सीप–स्वर्ण, साँप–मणि

(ii) **'फटे दूध' के उदाहरण द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं?**

(क) बात गुप्त रखनी चाहिए

(ख) बताने से बात बिगड़ जाती है।

(ग) बिगड़ी बात बन जाती है।

(घ) बिगड़ी बात नहीं बनती

(iii) **'मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान'– पंक्ति का प्रयोग दोहे में किस कारण किया गया है?**

(क) तलवार का महत्व दर्शाने हेतु

(ख) म्यान का कोई मोल नहीं, भाव प्रस्तुत करने हेतु

(ग) मनुष्य के ज्ञान को सर्वोपरि बताने हेतु

(घ) जातिगत आधार पर वर्ग–भेद को दूर करने हेतु

(iv) **दोहे में साधु के संदर्भ में कौन से कथन उचित हैं?**

(i) जाति पूछी जाए

(ii) जाति न पूछी जाए

(iii) ज्ञान को महत्व दिया जाए

(iv) ज्ञान को महत्व न दिया जाए

(क) (i) और (ii)

(ख) (ii) और (iii)

(ग) (i) और (iii)

(घ) (ii) और (iv)

(v) **रूठे सज्जन व्यक्ति को बार–बार क्यों मना लेना चाहिए?**

(क) वे मुक्ताहार की भाँति होते हैं।

(ख) वे उचित मार्गदर्शक व शुभचिंतक होते हैं।

(ग) किसी के हृदय को ठेस पहुँचाना अच्छी बात नहीं।

(घ) न मनाने पर वे मित्रता तोड़ सकते हैं।

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए– 2x5=10

(क) पाठ 'सोना' में लेखिका का व्यवहार हमें जीवों के प्रति संवेदनशील होने की प्रेरणा देता है। कैसे?

(ख) 'पौधे के पंख' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि क्या लेखक का श्रीधर से ईर्ष्या करना सही है? यदि आप लेखक की जगह होते तो आपके क्या विचार होते?

(ग) लुई ब्रेल ने क्या आविष्कार किया और उसका उपयोग किस प्रकार किया गया?

(घ) 'असल धन' पाठ के आधार पर दारा के चरित्र की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) 'अन्याय के खिलाफ़ लड़ाई' पाठ हमें किस प्रकार अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाने की सीख देता है?

(च) 'सितारों से आगे' पाठ के आधार पर बताइए कि कल्पना के किस निर्णय को साहसिक कहा गया है और क्यों?

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– (2x3=6)

(क) 'निर्माण' कविता दुखों से हार न मानने की सीख देती है। स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता का मूल भाव क्या है?

(ग) 'सुर और तुलसी के पद' में श्रीकृष्ण के बाल–सुलभ व्यवहार का वर्णन कीजिए।

(घ) भीषण गर्मी की दोपहरी किस प्रकार सभी को प्रभावित करती है? 'दोपहरी' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

खंड– 'घ'
(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर (80–100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) नाटक मंचन के दौरान जब मैं अपना संवाद भूल गया/गई

* मेरी मनःस्थिति
* दर्शकों द्वारा उत्साहवर्धन
* सफलतापूर्वक नाटक की समाप्ति

(ख) **प्राकृतिक आपदाएँ : उत्तरदायी कौन?**

* प्राकृति आपदाओं का तात्पर्य
* आपदाओं के कारण
* हमारा उत्तरदायित्व

(ग) **साँच को आँच नहीं**

* सूक्ति का अर्थ
* सूक्ति का महत्व
* जीवन के लिए प्रेरणा

प्रश्न 16. आप काव्य/काव्या हैं। आप क.ख.ग. नगर में रहते हैं। आलस्य के कारण आपके मित्र को अनेक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आलस्य को त्यागने एवं उत्तम जीवन–शैली के लिए विविध उपाय सुझाते हुए अपने मित्र को लगभग 80–100 शब्दों में पत्र लिखिए। (5)

अथवा

आप सारिका/सरस हैं। आप अ.ब.स. नगर में रहते हैं। आपके मोहल्ले के कूड़ेदान में गंदगी का ढेर लगा है। इस संबंध में आपने नगर निगम अधिकारी को शिकायती पत्र लिखा था, जिस पर शीघ्र ही उचित कार्यवाही हो गई है। अतः नगर निगम अधिकारी को लगभग 80–100 शब्दों में धन्यवाद पत्र लिखिए।

प्रश्न 17. अंतरिक्ष अभियानों में मिल रही लगातार सफलता ने भारतीय वैज्ञानिकों में नया जोश एवं उत्साह भर दिया है। भविष्य की योजनाओं को लेकर दो वैज्ञानिकों के बीच हुई बातचीत को लगभग 70–80 शब्दों में संवाद रुप में लिखिए। (5)

अथवा

भोजनावकाश के समय अकसर कोई आपका खाना खा लेता है, इस कारण आपको भूखे रहना पड़ता है। आप इस बात की शिकायत अपनी कक्षा अध्यापिका/अध्यापक से करते हैं। कक्षा अध्यापिका/अध्यापक और आपके बीच हुई बातचीत को लगभग 70–80 शब्दों में संवाद रुप में लिखिए।

प्रश्न 18. आप राहुल/रोमिला हैं। विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह 'एक पेड़ माँ के नाम' के आयोजन के लिए आपको संयोजक बनाया गया है। पूरे विद्यालय की सहभागिता के लिए एक सूचना लगभग 50–60 शब्दों में तैयार कीजिए। (5)

अथवा

आप हर्ष/हर्षा हैं। छुट्टी के बाद स्कूल की बस से घर जाते हुए आपका बैग बस में ही छूट गया। बस का रूट नंबर और अपने बैग का विवरण देते हुए विद्यालय के सूचना पट्ट पर लगाने के लिए एक सूचना लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए।

कक्षा - VIII (आठवीं)

समय : 3 घंटे	अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं– खंड 'क' 'ख' 'ग' और 'घ'।
- सभी खंड अनिवार्य हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित दो प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- खंड 'ग' में पाठ्य–पुस्तक पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
- उत्तरपुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्न–पत्र में दी गई है।

खंड– 'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सकारात्मक सोच सबसे बड़ा आधार है। जब हम कठिनाइयों का सामना करते हैं, तब हमारा धैर्य और विश्वास ही हमें आगे बढ़ने की शक्ति देता है। जो व्यक्ति हर असफलता को सीखने का अवसर मानता है वही अंततः सफलता की ऊँचाइयों को छू पाता है। सफलता का मार्ग कभी सरल नहीं होता लेकिन निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास से हर बाधा को पार किया जा सकता है। यह याद रखना चाहिए कि सफलता का असली अर्थ केवल लक्ष्य प्राप्त करना नहीं है बल्कि उस यात्रा के दौरान स्वयं को बेहतर बनाना भी है। कठिनाइयाँ जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं परंतु इन्हीं से हमारे व्यक्तित्व का निर्माण होता है। जैसे अंधकार के बिना प्रकाश का

महत्व नहीं होता, वैसे ही संघर्ष के बिना सफलता का स्वाद अधूरा है। हर चुनौती हमें यह सिखाती है कि हार मान लेना कभी समाधान नहीं है। इतिहास गवाह है कि जिन लोगों ने निरंतर परिश्रम और धैर्य बनाए रखा उन्होंने असंभव लगने वाले कार्यों को भी संभव कर दिखाया। छोटे–छोटे प्रयास ही बड़े परिणामों का आधार बनते हैं। यदि हम प्रतिदिन थोड़ी–थोड़ी प्रगति करने का संकल्प लें तो धीरे–धीरे यही प्रयास हमें महान उपलब्धियों तक पहुँचा देंगे। विश्वास रखें कि ईमानदारी, परिश्रम और सकारात्मक दृष्टिकोण से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। सफलता उसी की होती है, जो सपनों को हकीकत में बदलने का जुनून रखता है।

(i) **सफलता का असली अर्थ क्या है?** (1)

(क) धन प्राप्ति के साथ धैर्य रखना

(ख) दूसरों से आगे निकलकर चुनौती जीतना

(ग) कठिनाइयों से बचकर सुखी जीवन व्यतीत करना

(घ) लक्ष्य–प्राप्ति के साथ स्वयं को बेहतर बनाना

(ii) **गद्यांश के अनुसार कठिनाइयाँ हमें क्या सिखाती हैं?** (1)

(क) हार मान लेना सामाधान नहीं है।

(ख) जीवन में संघर्ष आवश्यक नहीं है।

(ग) धैर्यवान होना अनिवार्य नहीं है।

(घ) हार मानने से भी सफलता मिल सकती है।

(iii) **निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प को चुनकर लिखिए** (1)

कथन (A) – कठिनाइयाँ जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं।

कारण (R) – संघर्ष के बिना सफलता का स्वाद अधूरा है।

(क) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

(iv) **सफलता प्राप्त करने के लिए सकारात्मक सोच क्यों आवश्यक है?** (2)

(v) **गद्यांश के अनुसार छोटे–छोटे प्रयासों का क्या महत्व है?** (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

जल जीवन का मूल आधार है। पृथ्वी पर जितना भी जीवन है, वह जल पर ही निर्भर करता है। जल के बिना न तो कृषि संभव है, न उद्योग और न ही मानव जीवन का अस्तित्व। परंतु यह चिंता का विषय है कि आज तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण और लापरवाह जीवनशैली के कारण जल संकट गहराता जा रहा है। नदियाँ, तालाब और झीलें प्रदूषण का शिकार हो रही हैं, भूजल–स्तर लगातार नीचे गिर रहा है और बरसात का पानी व्यर्थ बहकर समुद्र में चला जाता है। यदि समय रहते जल–संरक्षण के उपाय न किए गए तो आने वाली पीढ़ियाँ गंभीर संकट का सामना करेंगी।

जल–संरक्षण का अर्थ केवल पानी बचाना ही नहीं, बल्कि उसे स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखना भी है। हमें 'वर्षा–जल–संचयन' को अपनाना चाहिए, कुओं और तालाबों का पुनर्जीवन करना चाहिए तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहिए। दैनिक जीवन में भी जल की बर्बादी रोकना आवश्यक है– जैसे नल खुला न छोड़ना, वाहन धोते समय पाइप के बजाय बाल्टी का प्रयोग करना और बगीचों में पानी देने के लिए छिड़काव पद्धति अपनाना।

सरकारी योजनाओं के साथ–साथ समाज और व्यक्ति का सहयोग भी उतना ही ज़रूरी है। 'जल–संरक्षण' केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं है, बल्कि यह जीवन और भविष्य की सुरक्षा का प्रश्न है। यदि हम आज सचेत होकर जल–संरक्षण हेतु कदम उठाएँ, तो कल हमारी धरती जल–संकट से बच सकती हैं। सच ही कहा गया है– "जल है तो कल है।"

(i) **वर्तमान समय में जल–संरक्षण की आवश्यकता क्यों है?** (1)

(क) वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए

(ख) जल को स्वच्छ व सुरक्षित बनाने के लिए

(ग) भावी पीढ़ी को जल संकट से बचाने के लिए

(घ) बढ़ते भूजल–स्तर को नीचे गिराने के लिए

(ii) **निरंतर बढ़ते जल संकट का कारण नहीं है–** (1)

(क) जनसंख्या वृद्धि

(ख) औद्योगिकीकरण

(ग) कुएँ तथा तालाब

(घ) लापरवाह मानव

(iii) **निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–** (1)

कथन (A) – नदियाँ, तालाब और झीलें प्रदूषण का शिकार हो रही हैं।

कारण (R) – भूजल–स्तर लगातार नीचे गिर रहा है और बरसात का पानी व्यर्थ बहकर समुद्र में चला जाता है।

(क) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है।

(ख) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं किन्तु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

(iv) **जल को जीवन का मूल आधार क्यों कहा गया है?** (2)

(v) **गद्यांश के अनुसार व्यक्तिगत स्तर पर जल बचाने के कोई दो उपाय लिखिए।** (2)

खंड– 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

3. **निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–**

(क) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार अथवा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए– (1)

(i) आनद (ii) कापने

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए– (1)

(i) पसाद (ii) स्वण

(ग) 'वि' उपसर्ग में मूल शब्द जोड़कर नया शब्द बनाकर लिखिए। (1)

(घ) 'स्वर्गीय' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय व मूल शब्द अलग करके लिखिए। (1)

4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) 'सूर्य' शब्द के **दो पर्यायवाची शब्द** लिखिए। (1)

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति रेखांकित शब्द के **विलोम शब्द** से कीजिए– (1)

ईश्वर का न <u>आदि</u> है न ..... ।

(ग) निम्नलिखित **वाक्यांश के लिए एक शब्द** लिखिए – (1)

जो कम खाता हो–

5. (क) **निम्नलिखित शब्द की संधि कीजिए–** (1)

सदा+एव

(ख) **'महोत्सव' शब्द का संधि–विच्छेद कीजिए।** (1)

6. (क) **नीचे दिए गए विग्रह का समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए–** (1)

रोग से मुक्त

(ख) **निम्नलिखित समस्तपद का विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए–** (2)

(i) रातोंरात (ii) त्रिवेणी

7. (क) **रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए–** (1)

बच्चे खीर खाकर सो गए।

(ख) **निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य–भेद लिखिए–** (1)

आपकी यात्रा मंगलमय हो।

8. (क) जहाँ किसी बात को इतना बढ़ा–चढ़ाकर कहा जाए कि वह लोक–सीमा के बाहर हो, तो वहाँ ..... अलंकार होता है। **रिक्त स्थान की पूर्ति द्वारा परिभाषा को पूर्ण कीजिए।** (1)

(ख) **निम्नलिखित काव्य–पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए–** (1)

चरण–कमल बंदौ हरिराई।

9. **निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त स्थान पर उचित विराम–चिह्न लगाइए–** (2)

(i) अहा हलवा खाकर मज़ा आ गया

(ii) कचरा इधर उधर मत फेंको

10. (क) पुलिस ने चोर को चोरी करते हुए ..... लिया। रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए (1)

(ख) 'एड़ी चोटी का ज़ोर लगाना' मुहावरे का वाक्य प्रयोग कीजिए। (1)

खंड– 'ग' (पाठ्य–पुस्तक)

11. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (1x5=5)

जंगल की संकरी पगडंडियों पर से सेना की टुकड़ी गुज़र रही होती तो जंगलों में छिपे आदिवासी भारतीय सिपाहियों को गुज़र जाने देते और जैसे ही अंग्रेज़ सारजेंट या कमांडर नज़र आते, उन पर अचूक निशाना लगाते। आदिवासियों के विद्रोह से अंग्रेज़ सरकार इतना डरने लगी थी कि सीताराम राजू के दल को आते देखकर थानों से पुलिस भाग जाती थी। सीताराम राजू ने आदिवासियों से कह रखा था कि अंग्रेज़ों से लड़ो पर एक भी भारतीय सैनिक का बाल बाँका न हो पाए। अंग्रेज़ों की सेना में बहुत–से भारतीय सिपाही भी थे। सीताराम राजू के आदेश का सख़्ती से पालन हुआ। वह जब पहाड़ों से कूच करता था तो ऐसा लगता था मानो उसे किसी का भय न हो। आदिवासी लोग ऐसा मानते थे कि सीताराम राजू के चमत्कार से अंग्रेज़ों की गोलियाँ पानी बन जाएँगी। इसी विश्वास से वे गोलियों की परवाह किए बिना पुलिस चौकियों या सेना पर हमला कर देते थे और उनके अस्त्र–शस्त्र लूटकर भाग जाते थे।

(i) **सीताराम राजू ने आदिवासियों को क्या निर्देश दिए थे?**

(क) अंग्रेज़ों को संरक्षण प्रदान करें

(ख) भारतीय सैनिकों को क्षति न पहुँचाएँ

(ग) अंगेज़ सिपाहियों को जंगल से गुज़रने दें

(घ) भारतीय सिपाहियों पर अचूक निशाना लगाएँ

(ii) **सीताराम राजू के दल को देखकर थानों से पुलिस भाग जाती थी; क्योंकि–**

(क) आदिवासी संख्या में अधिक थे

(ख) सीताराम राजू ने समझौता किया था

(ग) पुलिस के पास हथियार नहीं थे

(घ) अंग्रेज़ सरकार उनसे डरती थी

(iii) **आदिवासी लोग मानते थे कि सीताराम राजू के चमत्कार से–**

(क) सैनिक भयभीत होकर भाग जाएँगे

(ख) अंग्रेज़ों की गोलियाँ पानी बन जाएँगी

(ग) जंगल की सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी

(घ) पहाड़ भय के कारण हिलने लग जाएँगे

(iv) **आदिवासी पुलिस चौकियों या सेना पर हमला क्यों करते थे?**

(क) अंग्रेज़ अधिकारियों को पकड़ने के लिए।

(ख) भारतीय सिपाहियों को मारने के लिए।

(ग) अस्त्र–शस्त्र लूटकर भागने के लिए।

(घ) जंगल मे छिपकर रहने के लिए।

(v) **जब सीताराम राजू पहाड़ों से कूच करता था तो लगता था कि**

(क) उसे किसी का भय नहीं है

(ख) सैनिकों ने उसे घेर लिया है

(ग) वह बहुत अधिक डरा हुआ है

(घ) अंग्रेज़ उसका पीछा कर रहे हैं

12. **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(1x5=5)

गरमी की दोपहरी में

तपे हुए नभ के नीचे

काली सड़कें तारकोल की

अंगारे–सी जली पड़ी थीं

छाँह जली थी पेड़ों की भी

पत्ते झुलस गए थे

नंगे–नंगे दीर्घकाय, कंकालों–से वृक्ष खड़े थे

हों अकाल के ज्यों अवतार।

एक अकेला ताँगा था दूरी पर

कोचवान की काली–चाबुक के बल पर वो बढ़ता था

घूम–घूम जो बलखाती थी सर्प सरीखी

बेदर्दी से पड़ती थी दुबले घोड़े की गरम पीठ पर

भाग रहा वह तारकोल की जली

अंगीठी के ऊपर से।

(i) **गर्मी की दोपहरी में आकाश का वर्णन किस प्रकार किया गया है?**

(क) शीतल और नीला

(ख) बादलों से ढका हुआ

(ग) गर्मी से तपता हुआ

(घ) काले बादलों से भरा हुआ

(ii) **पेड़ों की छाँह का क्या हाल बताया गया है?**

(क) झुलसी हुई

(ख) मुरझाई हुई

(ग) जली हुई

(घ) तपी हुई

(iii) **नंगे–नंगे दीर्घकाय वृक्षों की तुलना किससे की गई है?**

(क) अवतार से

(ख) सड़क से

(ग) अंगारों से

(घ) कंकालों से

(iv) **कोचवान की चाबुक की तुलना किससे की गई है?**

(क) हवा से

(ख) साँप से

(ग) बिजली से

(घ) तलवार से

(v) **दुबला घोड़ा किस पर भाग रहा था?**

(क) तारकोल की तपती सड़क पर

(ख) हरे–भरे जंगलों से होकर

(ग) कच्चे हरे–भरे रास्ते पर

(घ) जलती हुई अँगीठी पर

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं पाँच प्रश्नों</u> के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए–** 2x5=10

(क) यदि दरबारियों के कहे अनुसार दारा के बक्से से बेईमानी से एकत्रित किया धन निकलता तो क्या होता? 'असल धन' पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) जीवन की सादगी और विचारों की उच्चता गाँधी जी के जीवन का मूल मंत्र था। 'आश्रम के अतिथि और संस्मरण' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) हेलन केलर का जीवन के प्रति क्या दृष्टिकोण था तथा उसे किस उदाहरण द्व ारा स्पष्ट किया गया है? 'जीवन का सच' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(घ) बातचीत की कला में निपुण व्यक्ति जीवन में उन्नति करता है; कैसे? 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'पौधे के पंख' पाठ में लेखक को दूसरे बच्चों के साथ खेलने व बात करने के लिए मना किया जाता था– इसका लेखक के व्यक्तित्व पर जो प्रभाव पड़ा उसे स्पष्ट कीजिए।

(च) कल्पना चावला ने सिद्ध कर दिखाया कि स्त्रियाँ किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। 'सितारों से आगे' पाठ के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए।

14. **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए–** (2x3=6)

(क) 'नाश के दुख से कभी, दबता नहीं निर्माण का सुख' – 'निर्माण' कविता की पंक्ति के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

(ख) 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता हमें पक्षियों के प्रति कैसा व्यवहार करने का संदेश देती है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) राम और कृष्ण की बाल लीलाओं में से आप किससे अधिक प्रभावित हुए और क्यों? 'सूर और तुलसी के पद' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(घ) बिहारी ने श्री कृष्ण के रूप–सौंदर्य का वर्णन किस प्रकार किया है?

खंड– 'घ' (रचनात्मक लेखन)

15. निम्नलिखित में से किसी <u>एक विषय</u> पर (80–100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) योग और स्वास्थ्य

* जीवन शैली
* तनाव मुक्ति का स्रोत
* स्वास्थ्य में लाभ

(ख) साइकिल की सवारी लगती प्यारी

* साइकिल चलाने का आनंद
* साइकिल चलाने का लाभ
* साइकिल चलाते समय सावधानियाँ

(ग) स्वदेशी अपनाओ : समृद्धि लाओ

* स्वदेशी अपनाने के प्रति जागरूकता
* स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा
* स्वदेशी अपनाने से लाभ

16. आप रमन ठाकुर / रजनी ठाकुर हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण सड़कों पर जलभराव और गड्ढों के कारण यातायात में हुई असुविधा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए नगर–निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

गणतंत्र दिवस पर आपके मित्र को वीरता पुरस्कार मिला है। इस उपलब्धि पर उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

17. आप मोहल्ला समिति के अध्यक्ष हैं। खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए 'खेल सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में अपने क्षेत्रवासियों को अवगत करवाने हेतु सूचना तैयार कीजिए। (5)

अथवा

विद्यार्थियों के चारित्रिक उत्थान के लिए विद्यालय 'नैतिक चेतना मंच' का गठन कर रहा है जिसके लिए योग्य विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। प्रधानाचार्य की ओर से इसके संबंध में विद्यार्थियों के लिए सूचना जारी कीजिए।

18. समाज में लड़कियों की सुरक्षा एक ज्वलंत मुद्दा है। आत्मसुरक्षा की सीख देते हुए एक माँ और बेटी के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए। (5)

अथवा

बड़ों का आदर करने के लिए प्रेरित करते हुए अध्यापक और छात्र के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल, सी. आर. आर. सी., मेडिकल रोड, गया जी, बिहार।

अभ्यास-परीक्षा : 1 (2026-27)

कक्षा-आठवीं

विषय-हिंदी (Higher)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :-

इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं-खंड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।

सभी खंड अनिवार्य हैं।

खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित दो प्रश्न पूछे गए हैं।

खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित आठ प्रश्न पूछे गए हैं।

खंड 'ग' में पाठ्यपुस्तक पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

दिए गए विकल्पों का पालन करते हुए ही सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।

उत्तरपुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई है।

खंड-'क' (अपठित बोध)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- भारत के ग्रामीण अंचल अपनी सादगी, ईमानदारी और कठोर परिश्रम के लिए प्रसिद्ध हैं। शहरों की बनावटी चमक-दमक और छल-कपट से दूर गाँवों की आत्मा आज भी पवित्र है। भारत लगभग पाँच लाख गाँवों का देश है, लेकिन विडंबना यह है कि इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद ये आज भी उपेक्षा का शिकार हैं। आज जब हमारा देश तकनीकी क्रांति और कंप्यूटर युग के शिखर पर है, तब भी हमारे गाँवों का एक बड़ा हिस्सा 'आदम युग' जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। अधिकांश गाँवों में जीवन की अनुकूल दशाएँ उपलब्ध नहीं हैं। स्वच्छ पेयजल, निरंतर बिजली, सुसज्जित स्कूल और आधुनिक अस्पतालों का अभाव यहाँ के निवासियों को नारकीय जीवन जीने पर मजबूर करता है। अपनी छोटी-छोटी ज़रूरतों के लिए ग्रामीणों को शहरों की ओर भागना पड़ता है। प्राकृतिक आपदाएँ समय-समय पर शासन और प्रशासन के विकास के दावों की कलई खोल देती हैं। यह अत्यंत दुखद है कि जो किसान पूरे देश का पेट भरता है, वह स्वयं बदहाली और बदइंतजामी के बीच जीने को अभिशप्त है। हमारा अन्नदाता बेबस और बेहाल है, जो विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर खड़ा

है। यदि हमें सच्चे अर्थों में भारत का विकास करना है, तो गाँवों को केवल सादगी का प्रतीक न मानकर उन्हें आधुनिक सुविधाओं से संपन्न करना होगा ताकि ग्रामीण जीवन केवल संघर्ष की कहानी बनकर न रह जाए।

(i) गाँव की आत्मा पवित्र होने का क्या कारण है? (1)

(क) जीवन चमक-दमक से पूर्ण होना (ख) जीवन में छल-कपट को अपनाना

(ग) जीवन में बनावटीपन होना (घ) जीवन में परिश्रम, सादगी और ईमानदारी को अपनाना

(ii) प्रस्तुत गद्यांश में 'आदम युग' का प्रयोग किस स्थिति को दर्शाने के लिए किया गया है? (1)

(क) ग्रामीणों का प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के प्रति गहरा लगाव

(ख) आधुनिक सुख-सुविधाओं और बुनियादी संसाधनों का नितांत अभाव

(ग) आदिवासियों की तरह जंगलों में जीवन व्यतीत करने की पद्धति

(घ) कंप्यूटर और तकनीक के प्रति ग्रामीणों की अरुचि और विरोध

(iii) कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प चुनकर लिखिए- (1)

कथन (A) : अधिकांश गाँवों में जीवन की अनुकूल दशाएँ उपलब्ध हैं।

कारण (R) : अपनी छोटी ज़रूरतों के लिए ग्रामीणों को शहरों की ओर भागना पड़ता है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत, कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) गाँव के लोगों का जीवन शहरों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण क्यों है? (2)

(v) अन्नदाता की बदहाली का ज़िम्मेदार कौन है? उसके सुधार के लिए क्या कदम उठाया जाना चाहिए? (2)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

फ़ैशन की दुनिया एक रंगीन दुनिया है। यहाँ हर रोज़ बदलाव देखने को मिलता है। जो पहनावा आज प्रचलित है, हो सकता है, वह कुछ दिनों बाद प्रचलन में न हो। बदलते फ़ैशन पर प्रायः फिल्मों एवं टेलीविजन का विशेष प्रभाव होता है। कभी-कभी इसका समाज पर गलत प्रभाव भी पड़ता है। मनुष्य को सभ्य कहलवाने में उसकी वेशभूषा का भी विशेष योगदान रहा है। किस व्यक्ति ने, किस मौके पर, किस प्रकार के कपड़े पहने हैं, इस बात से उसके व्यक्तित्व का निर्धारण किया जाता है। इसलिए व्यक्ति को फ़ैशन के अनुसार किसी विशेष प्रकार के कपड़े पहनने से पहले यह अवश्य सोचना चाहिए कि इससे समाज में उसके व्यक्तित्व के प्रति कोई नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित न हो। जो लोग फैशन की डिग्रियों के दम पर इस क्षेत्र में आना चाहते हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि यह वह रचनात्मक क्षेत्र है, जहाँ डिग्री से अधिक सृजनात्मक क्षमता को वरीयता दी जाती है। आज फैशन विश्व भर में एक उद्योग का रूप ले चुका है। भारत का कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोज़गार प्रदान करने वाला उद्योग है। एक अनुमान के अनुसार भारतीय फैशन का

बाज़ार एक करोड़ से भी अधिक का है। देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में इसका हिस्सा लगभग 14% है। भारतीय कपड़ों की विशिष्टता एवं आकर्षण पूरी दुनिया में लोकप्रिय है।

(i) किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्धारण मुख्य रूप से किस आधार पर किया जाता है? (1)

(क) उसके पास मौजूद फ़ैशन की डिग्रियों के आधार पर

(ख) उसकी वेशभूषा और मौके के अनुसार कपड़ों के चयन के आधार पर

(ग) उसके द्वारा अपनाए गए आधुनिक विदेशी फ़ैशन के आधार पर

(घ) उसकी आर्थिक स्थिति और महँगे कपड़ों के आधार पर

(ii) भारत में रोज़गार प्रदान करने के मामले में कौन-सा उद्योग, किस स्थान पर है? सही विकल्प का चयन करके लिखिए- (1)

(क) कृषि-प्रथम, फ़ैशन-द्वितीय (ख) फ़ैशन-प्रथम, कृषि-द्वितीय

(ग) परिवहन-प्रथम, वस्त्र-द्वितीय (घ) वस्त्र-प्रथम, इस्पात-द्वितीय

(iii) कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए- (1)

कथन (A) : फ़ैशन की दुनिया में हर रोज़ बदलाव देखने को मिलता है।

कारण (R) : फ़ैशन की दुनिया एक रंगीन दुनिया है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत, कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) फ़ैशन के क्षेत्र में 'डिग्री' का महत्त्व क्यों नहीं है? (2)

(v) भारत में फ़ैशन के बाज़ार की क्या स्थिति है? (2)

खंड-'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-

(क) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार अथवा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए- (1)

(i) महत (ii) सास

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए- (1)

(i) निदयी (ii) राष्ट

(ग) 'प्रतिक्रिया' में प्रयुक्त उपसर्ग व मूल शब्द बताइए। (1)

(घ) 'टिक' शब्द में उचित प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नया शब्द बनाइए। (1)

4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-

(क) 'संसार' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)

(ख) 'अग्रज' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। (1)

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए- जिसका विश्वास न किया जा सके (1)

5. (क) निम्नलिखित शब्द की संधि कीजिए- प्र + मान (1)

(ख) 'देवर्षि' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए। (1)

6. (क) निम्नलिखित समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए- (2)

(i) रोग-मुक्त (ii) पंचतत्व

(ख) नीचे दिए गए विग्रह का समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए- विधि के अनुसार (1)

7. (क) रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए- 'सब एक ही धातु के बने हैं।' (1)

(ख) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य भेद लिखिए- वह अपनी तुलना दूसरों से करता है। (1)

8. (क) रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए परिभाषा को पूर्ण कीजिए- (2)

जहाँ जड़ अथवा अचेतन तत्वों पर मानवीय भावों, संबंधों और क्रियाकलापों का आरोप करके उन्हें मनुष्य के समान व्यवहार करते हुए दिखाया जाता है, वहाँ _____ अलंकार होता है।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए- मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों।

9. निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त स्थान पर उचित विराम चिह्न लगाइए- (2)

(क) गीता का वचन है कर्म करो किंतु फल की इच्छा न रखो

(ख) जाओ इन्हें इनका घर दिखा दो

10. (क) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त मुहावरे को छाँटकर उसके प्रयोग द्वारा नए वाक्य का निर्माण कीजिए- (2)

बिल्ली को देखकर चूहा रफूचक्कर हो गया।

ख) निम्नलिखित वाक्य में उचित मुहावरे के प्रयोग द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

जब मेरी बहन दसवीं कक्षा में प्रथम आई तो मेरी माताजी _____

खंड-'ग' (पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (1x5=5)

हमें लगने लगा है कि व्यक्ति और देश के पड़ोसियों के व्यवहार में खास अंतर नहीं है। आखिर हस्तक्षेप न करने का उसूल हर पड़ोसी देश संसार के सामने सार्वजनिक तौर पर अपनाता है। यह दीगर है कि कभी-कभार सीमा-क्षेत्र में आतंकवादी गोलीबारी कर लें। उसके

जासूस शहरों में बमबारी की योजना बनाएँ। थोड़ी-बहुत आतिशबाज़ी तो होती रहनी चाहिए। यों भी, दूसरा कौन-सी दाल खाता है, जानने की इच्छा एक स्वाभाविक जिज्ञासा है। अपनी तो एक ही आकांक्षा है। हमें अपने पड़ोसी से इतना लगाव है, वह भी हमसे अपने व्यवहार में कुछ सुधार लाए। ताली एक हाथ से तो बजती नहीं है। दोनों हिल-मिलकर अमन-चैन से रहें।

(i) लेखक के अनुसार देश की इकाई किससे बनती है?

(क) सरकार से (ख) व्यक्तियों के समूह से (ग) सेना से (घ) सीमाओं से

(ii) गद्यांश में पड़ोसी देशों द्वारा कौन-सा उसूल सार्वजनिक रूप से अपनाया जाता है?

(क) युद्ध और विस्तारवाद (ख) व्यापार और विकास (ग) हस्तक्षेप न करना (घ) शक्ति-प्रदर्शन

(iii) 'थोड़ी-बहुत आतिशबाजी' से लेखक का क्या आशय है?

(क) त्योहार मनाना (ख) सांस्कृतिक कार्यक्रम (ग) सीमा पर होने वाला तनाव (घ) खेल प्रतियोगिताएँ

iv) लेखक के अनुसार 'ताली एक हाथ से नहीं बजती' का क्या अर्थ है?

(क) एक व्यक्ति सब कुछ कर सकता है (ख) दोनों पक्षों में सहयोग आवश्यक है

(ग) केवल एक देश ज़िम्मेदार है (घ) दो पक्षों में संघर्ष ज़रूरी है

(v) लेखक की मुख्य आकांक्षा क्या है?

(क) पड़ोसी देशों से युद्ध जीतना (ख) पड़ोसी देश को नीचा दिखाना

(ग) पड़ोसी के साथ मिलकर अमन-चैन से रहना (घ) पड़ोसी के साथ व्यापार बढ़ाना

12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (1×5=5)

ठुमक चलत रामचंद्र, बाजत पैंजनियाँ।

किलकि-किलकि उठत धाय, गिरत भूमि लटपटाय।

धाय मात गोद लेत, दशरथ की रनियाँ ।।

अंचल रज अंग झारि, विविध भाँति सो दुलारि।

तन मन धन वारि-वारि, कहत मृदु बचनियाँ ।।

विद्रुम से अरुण अधर, बोलत मुख मधुर मधुर ।

सुभग नासिका में चारु, लटकत लटकनियाँ ।।

तुलसीदास अति आनंद, देख के मुखारविंद ।

रघुवर छवि के समान, रघुवर छवि बनियाँ ।।

i) 'ठुमक चलत रामचंद्र' में रामचंद्र की कौन-सी अवस्था का वर्णन है?

(क) युवावस्था (ख) बाल्यावस्था (ग) नवजात शिशु (घ) किशोरावस्था

(ii) 'बाजत पैंजनियाँ' से क्या अभिप्राय है?

(क) ढोल बजना (ख) घुंघरु / पायल बजना (ग) शंख बजना (घ) वीणा बजना

(iii) ठुमक कर चलते हुए गिरने पर रामचंद्र जी को गोद में कौन उठा लेता है?

(क). माताएँ (ख) राजा दशरथ (ग) तुलसीदास (घ) कौशल्या माता

(iv) प्रस्तुत गद्यांश में श्री राम का मुख किसके समान बताया गया है?

(क) चन्द्रमा (ख) विद्रुम (ग) अरुण (घ) कमल

(v) कवि ने श्री राम के अधरों की तुलना विद्रुम से क्यों की है?

(क) कोमलता के कारण (ख) लालिमा के कारण (ग) बनावट के कारण (घ) (क) तथा (ख) दोनों

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए- (2x5=10)

(क) मन में ईर्ष्या का भाव उत्पन्न न हो इसके लिए मनुष्य को क्या करना चाहिए? 'असल धन' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ख) सीताराम राजू ने अंग्रेज़ों के सामने आत्मसमर्पण क्यों किया? 'अन्याय के खिलाफ लड़ाई' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ग) शिक्षित व्यक्ति को भी बातचीत में कुशल होना चाहिए। 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) कल्पना चावला ने अपनी किन विशेषताओं से स्वयं को प्रमाणित किया और कैसे? पाठ 'सितारों से आगे' के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ङ) बच्चों के अशिष्ट व्यवहार करने पर उन्हें डाँटना क्यों उचित है? कथन को पाठ 'पौधे के पंख' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(च) दृढ़ विश्वास किस प्रकार हमारे जीवन की दिशा बदल सकता है? पाठ 'जीवन का सच' के आधार पर उत्तर लिखिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए- (2×3=6)

(क) हमें पक्षियों के प्रति संवेदनशील क्यों होना चाहिए? 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ख) गर्मी का वृक्षों, व्यक्तियों तथा पशु-पक्षियों पर क्या प्रभाव पड़ता है? कविता 'दोपहरी' के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ग) 'लाख उपाय करने पर भी बिगड़ी बात नहीं बनती'- पंक्ति को रहीम जी ने किस उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है?

(घ) 'नीड़ का निर्माण फिर-फिर' पंक्ति में 'फिर-फिर' शब्द-युग्म किस अर्थ की ओर संकेत करता है? यह हमारे जीवन में किस प्रकार प्रेरणादायक है? 'निर्माण' कविता के आधार पर उत्तर लिखिए।

खंड-'घ' (रचनात्मक लेखन)

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए- (5)

(क) जीवन की अनिवार्यता: शुद्ध हवा और पानी

* आवश्यक तत्वों से तात्पर्य और महत्व * प्रदूषण का प्रभाव * सरकार और जनता की भूमिका

(ख) कृत्रिम बौद्धिकता (ए.आई.): आज की अनिवार्यता

* कृत्रिम बौद्धिकता का अर्थ * बदलता चलन व अनगिनत लाभ * प्रयोग में सावधानियाँ

(ग) मुझे मेरी मातृभाषा प्रिय है

* लगाव के कारण * मातृभाषा में मेरे प्रिय लेखक व कवि * मातृभाषा के प्रति मेरा कर्तव्य

16.आप शालीमार बाग के एन ब्लॉक में रहने वाले हर्षित / हर्षिता हैं। क्षेत्र में बढ़ती लूटमार व चोरी की घटनाओं को रोकने हेतु थाना प्रभारी को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

आप अनुज / अनुजा हैं और डी.ए.वी. छात्रावास में रहते हैं। विद्यालय द्वारा आयोजित शैक्षणिक भ्रमण में जाने के लिए माता-पिता से अनुमति लेने हेतु पत्र लिखिए। (5)

17. कक्षा के अनुशासन में सुधार लाने हेतु कक्षा-अध्यापक / अध्यापिका और कक्षा मॉनीटर के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

अथवा

युद्ध के विनाशकारी प्रभावों पर चर्चा करते हुए आप और आपके मित्र के बीच हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

(5)

18. आप अपने विद्यालय की सांस्कृतिक समिति के सचिव हैं। 'बहू की विदा' नाटक के मंचन हेतु अभिनय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों की आवश्यकता है। इस विषय पर समस्त जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए।

अथवा

विद्यालय की ओर से अभिभावकों और विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस विषय पर जानकारी देते हुए प्रबंधक समिति की ओर से एक सूचना लिखिए। (5)

कक्षा-आठवीं
विषय-हिंदी (Higher)

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

- *इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं–खंड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।*
- *सभी खंड अनिवार्य हैं।*
- *खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित दो प्रश्न पूछे गए हैं।*
- *खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित आठ प्रश्न पूछे गए हैं।*
- *खंड 'ग' में पाठ्यपुस्तक पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*
- *खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*
- *दिए गए विकल्पों का पालन करते हुए ही सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*
- *प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।*
- *उत्तरपुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई है।*

खंड-'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

भारत के ग्रामीण अंचल अपनी सादगी, ईमानदारी और कठोर परिश्रम के लिए प्रसिद्ध हैं। शहरों की बनावटी चमक-दमक और छल-कपट से दूर गाँवों की आत्मा आज भी पवित्र है। भारत लगभग पाँच लाख गाँवों का देश है, लेकिन विडंबना यह है कि इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद ये आज भी उपेक्षा का शिकार हैं। आज जब हमारा देश तकनीकी क्रांति और कंप्यूटर युग के शिखर पर है, तब भी हमारे गाँवों का एक बड़ा हिस्सा 'आदम युग' जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। अधिकांश गाँवों

में जीवन की अनुकूल दशाएँ उपलब्ध नहीं हैं। स्वच्छ पेयजल, निरंतर बिजली, सुसज्जित स्कूल और आधुनिक अस्पतालों का अभाव यहाँ के निवासियों को नारकीय जीवन जीने पर मजबूर करता है। अपनी छोटी-छोटी ज़रूरतों के लिए ग्रामीणों को शहरों की ओर भागना पड़ता है। प्राकृतिक आपदाएँ समय-समय पर शासन और प्रशासन के विकास के दावों की कलई खोल देती हैं। यह अत्यंत दुखद है कि जो किसान पूरे देश का पेट भरता है, वह स्वयं बदहाली और बदइंतजामी के बीच जीने को अभिशप्त है। हमारा अन्नदाता बेबस और बेहाल है, जो विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर खड़ा है। यदि हमें सच्चे अर्थों में भारत का विकास करना है, तो गाँवों को केवल सादगी का प्रतीक न मानकर उन्हें आधुनिक सुविधाओं से संपन्न करना होगा ताकि ग्रामीण जीवन केवल संघर्ष की कहानी बनकर न रह जाए।

(i) गाँव की आत्मा पवित्र होने का क्या कारण है? (1)

(क) जीवन चमक-दमक से पूर्ण होना

(ख) जीवन में छल-कपट को अपनाना

(ग) जीवन में बनावटीपन होना

(घ) जीवन में परिश्रम, सादगी और ईमानदारी को अपनाना

(ii) प्रस्तुत गद्यांश में 'आदम युग' का प्रयोग किस स्थिति को दर्शाने के लिए किया गया है? (1)

(क) ग्रामीणों का प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के प्रति गहरा लगाव

(ख) आधुनिक सुख-सुविधाओं और बुनियादी संसाधनों का नितांत अभाव

(ग) आदिवासियों की तरह जंगलों में जीवन व्यतीत करने की पद्धति

(घ) कंप्यूटर और तकनीक के प्रति ग्रामीणों की अरुचि और विरोध

(iii) कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प चुनकर लिखिए– (1)

कथन (A) : अधिकांश गाँवों में जीवन की अनुकूल दशाएँ उपलब्ध हैं।

कारण (R) : अपनी छोटी ज़रूरतों के लिए ग्रामीणों को शहरों की ओर भागना पड़ता है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत, कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) गाँव के लोगों का जीवन शहरों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण क्यों है?(2)

(v) अन्नदाता की बदहाली का ज़िम्मेदार कौन है? उसके सुधार के लिए क्या कदम उठाया जाना चाहिए? (2)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

फ़ैशन की दुनिया एक रंगीन दुनिया है। यहाँ हर रोज़ बदलाव देखने को मिलता है। जो पहनावा आज प्रचलित है, हो सकता है, वह कुछ दिनों बाद प्रचलन में न हो। बदलते फ़ैशन पर प्रायः फ़िल्मों एवं टेलीविजन का विशेष प्रभाव होता है। कभी-कभी इसका समाज पर गलत प्रभाव भी पड़ता है। मनुष्य को सभ्य कहलवाने में उसकी वेशभूषा का भी विशेष योगदान रहा है। किस व्यक्ति ने, किस मौके पर, किस प्रकार के कपड़े पहने हैं, इस बात से उसके व्यक्तित्व का निर्धारण किया जाता है। इसलिए व्यक्ति को

फ़ैशन के अनुसार किसी विशेष प्रकार के कपड़े पहनने से पहले यह अवश्य सोचना चाहिए कि इससे समाज में उसके व्यक्तित्व के प्रति कोई नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित न हो। जो लोग फैशन की डिग्रियों के दम पर इस क्षेत्र में आना चाहते हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि यह वह रचनात्मक क्षेत्र है, जहाँ डिग्री से अधिक सृजनात्मक क्षमता को वरीयता दी जाती है। आज फैशन विश्व भर में एक उद्योग का रूप ले चुका है। भारत का कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोज़गार प्रदान करने वाला उद्योग है। एक अनुमान के अनुसार भारतीय फैशन का बाज़ार एक करोड़ से भी अधिक का है। देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में इसका हिस्सा लगभग 14% है। भारतीय कपड़ों की विशिष्टता एवं आकर्षण पूरी दुनिया में लोकप्रिय है।

(i) किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्धारण मुख्य रूप से किस आधार पर किया जाता है? (1)

(क) उसके पास मौजूद फ़ैशन की डिग्रियों के आधार पर

(ख) उसकी वेशभूषा और मौके के अनुसार कपड़ों के चयन के आधार पर

(ग) उसके द्वारा अपनाए गए आधुनिक विदेशी फ़ैशन के आधार पर

(घ) उसकी आर्थिक स्थिति और महँगे कपड़ों के आधार पर

(ii) भारत में रोज़गार प्रदान करने के मामले में कौन-सा उद्योग, किस स्थान पर है? सही विकल्प का चयन करके लिखिए– (1)

(क) कृषि-प्रथम, फ़ैशन-द्वितीय

(ख) फ़ैशन-प्रथम, कृषि-द्वितीय

(ग) परिवहन-प्रथम, वस्त्र-द्वितीय

(घ) वस्त्र-प्रथम, इस्पात-द्वितीय

(iii) कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए– (1)

कथन (A) : फ़ैशन की दुनिया में हर रोज़ बदलाव देखने को मिलता है।

कारण (R) : फ़ैशन की दुनिया एक रंगीन दुनिया है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत, कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) फ़ैशन के क्षेत्र में 'डिग्री' का महत्त्व क्यों नहीं है? (2)

(v) भारत में फ़ैशन के बाज़ार की क्या स्थिति है? (2)

खंड-'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार अथवा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए– (1)

(i) महत (ii) सास

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए– (1)

(i) निदयी (ii) राष्ट

(ग) 'प्रतिक्रिया' में प्रयुक्त उपसर्ग व मूल शब्द बताइए। (1)

(घ) 'टिक' शब्द में उचित प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नया शब्द बनाइए। (1)

4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) 'संसार' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)

(ख) 'अग्रज' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। (1)

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– (1)

जिसका विश्वास न किया जा सके

5. (क) निम्नलिखित शब्द की संधि कीजिए– (1)

प्र + मान

(ख) 'देवर्षि' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए। (1)

6. (क) निम्नलिखित समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए– (2)

(i) रोग-मुक्त (ii) पंचतत्व

(ख) नीचे दिए गए विग्रह का समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए–

विधि के अनुसार (1)

7. (क) रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए– (1)

सब एक ही धातु के बने हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए– (1)

वह अपनी तुलना दूसरों से करता है।

8. (क) रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए परिभाषा को पूर्ण कीजिए– (2)

जहाँ जड़ अथवा अचेतन तत्वों पर मानवीय भावों, संबंधों और क्रियाकलापों का आरोप करके उन्हें मनुष्य के समान व्यवहार करते हुए दिखाया जाता है, वहाँ ..... अलंकार होता है।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए–

मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों।

9. निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त स्थान पर उचित विराम-चिह्न लगाइए– (2)

(क) गीता का वचन है कर्म करो किंतु फल की इच्छा न रखो

(ख) जाओ इन्हें इनका घर दिखा दो

10. (क) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त मुहावरे को छाँटकर उसके प्रयोग द्वारा नए वाक्य का निर्माण कीजिए– (2)

बिल्ली को देखकर चूहा रफूचक्कर हो गया।

(ख) निम्नलिखित वाक्य में उचित मुहावरे के प्रयोग द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

जब मेरी बहन दसवीं कक्षा में प्रथम आई तो मेरी माताजी .....।

खंड-'ग' (पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (1x5=5)

हमें लगने लगा है कि व्यक्ति और देश के पड़ोसियों के व्यवहार में खास अंतर नहीं है। आखिर हस्तक्षेप न करने का उसूल हर पड़ोसी देश संसार के सामने सार्वजनिक

तौर पर अपनाता है। यह दीगर है कि कभी-कभार सीमा-क्षेत्र में आतंकवादी गोलीबारी कर लें। उसके जासूस शहरों में बमबारी की योजना बनाएँ। थोड़ी-बहुत आतिशबाज़ी तो होती रहनी चाहिए। यों भी, दूसरा कौन-सी दाल खाता है, जानने की इच्छा एक स्वाभाविक जिज्ञासा है। अपनी तो एक ही आकांक्षा है। हमें अपने पड़ोसी से इतना लगाव है, वह भी हमसे अपने व्यवहार में कुछ सुधार लाए। ताली एक हाथ से तो बजती नहीं है। दोनों हिल-मिलकर अमन-चैन से रहें।

(i) लेखक के अनुसार देश की इकाई किससे बनती है?

(क) सरकार से (ख) व्यक्तियों के समूह से

(ग) सेना से (घ) सीमाओं से

(ii) गद्यांश में पड़ोसी देशों द्वारा कौन-सा उसूल सार्वजनिक रूप से अपनाया जाता है?

(क) युद्ध और विस्तारवाद

(ख) व्यापार और विकास

(ग) हस्तक्षेप न करना

(घ) शक्ति-प्रदर्शन

(iii) 'थोड़ी-बहुत आतिशबाज़ी' से लेखक का क्या आशय है?

(क) त्योहार मनाना

(ख) सांस्कृतिक कार्यक्रम

(ग) सीमा पर होने वाला तनाव

(घ) खेल प्रतियोगिताएँ

(iv) लेखक के अनुसार 'ताली एक हाथ से नहीं बजती' का क्या अर्थ है?

(क) एक व्यक्ति सब कुछ कर सकता है

(ख) दोनों पक्षों में सहयोग आवश्यक है

(ग) केवल एक देश ज़िम्मेदार है

(घ) दो पक्षों में संघर्ष ज़रूरी है

(v) लेखक की मुख्य आकांक्षा क्या है?

(क) पड़ोसी देशों से युद्ध जीतना

(ख) पड़ोसी देश को नीचा दिखाना

(ग) पड़ोसी के साथ मिलकर अमन-चैन से रहना

(घ) पड़ोसी के साथ व्यापार बढ़ाना

12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1x5=5)

ठुमक चलत रामचंद्र, बाजत पैंजनियाँ।

किलकि-किलकि उठत धाय, गिरत भूमि लटपटाय।

धाय मात गोद लेत, दशरथ की रनियाँ।।

अंचल रज अंग झारि, विविध भाँति सो दुलारि।

तन मन धन वारि-वारि, कहत मृदु बचनियाँ ।।

विद्रुम से अरुण अधर, बोलत मुख मधुर मधुर।

सुभग नासिका में चारु, लटकत लटकनियाँ ।।

तुलसीदास अति आनंद, देख के मुखारविंद।

रघुवर छवि के समान, रघुवर छवि बनियाँ ।।

(i) 'ठुमक चलत रामचंद्र' में रामचंद्र की कौन-सी अवस्था का वर्णन है?

(क) युवावस्था (ख) बाल्यावस्था

(ग) नवजात शिशु (घ) किशोरावस्था

(ii) 'बाजत पैंजनियाँ' से क्या अभिप्राय है?

(क) ढोल बजना (ख) घुंघरु / पायल बजना

(ग) शंख बजना (घ) वीणा बजना

(iii) ठुमक कर चलते हुए गिरने पर रामचंद्र जी को गोद में कौन उठा लेता है?

(क) माताएँ (ख) राजा दशरथ

(ग) तुलसीदास (घ) कौशल्या माता

(iv) प्रस्तुत गद्यांश में श्री राम का मुख किसके समान बताया गया है?

(क) चन्द्रमा (ख) विद्रुम

(ग) अरुण (घ) कमल

(v) कवि ने श्री राम के अधरों की तुलना विद्रुम से क्यों की है?

(क) कोमलता के कारण (ख) लालिमा के कारण

(ग) बनावट के कारण (घ) (क) तथा (ख) दोनों

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं पाँच प्रश्नों</u> के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए– (2×5=10)

(क) मन में ईर्ष्या का भाव उत्पन्न न हो इसके लिए मनुष्य को क्या करना चाहिए? 'असल धन' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ख) सीताराम राजू ने अंग्रेज़ों के सामने आत्मसमर्पण क्यों किया? 'अन्याय के खिलाफ़ लड़ाई' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ग) शिक्षित व्यक्ति को भी बातचीत में कुशल होना चाहिए। 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) कल्पना चावला ने अपनी किन विशेषताओं से स्वयं को प्रमाणित किया और कैसे? पाठ 'सितारों से आगे' के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ङ) बच्चों के अशिष्ट व्यवहार करने पर उन्हें डाँटना क्यों उचित है? कथन को पाठ 'पौधे के पंख' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(च) दृढ़ विश्वास किस प्रकार हमारे जीवन की दिशा बदल सकता है? पाठ 'जीवन का सच' के आधार पर उत्तर लिखिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए– (2×3=6)

(क) हमें पक्षियों के प्रति संवेदनशील क्यों होना चाहिए? 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ख) गर्मी का वृक्षों, व्यक्तियों तथा पशु-पक्षियों पर क्या प्रभाव पड़ता है? कविता 'दोपहरी' के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ग) 'लाख उपाय करने पर भी बिगड़ी बात नहीं बनती'–पंक्ति को रहीम जी ने किस उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है?

(घ) 'नीड़ का निर्माण फिर-फिर' पंक्ति में 'फिर-फिर' शब्द-युग्म किस अर्थ की ओर संकेत करता है? यह हमारे जीवन में किस प्रकार प्रेरणादायक है? 'निर्माण' कविता के आधार पर उत्तर लिखिए।

खंड-'घ' (रचनात्मक लेखन)

15. निम्नलिखित में से <u>किसी एक</u> विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए-(5)

(क) जीवन की अनिवार्यता : शुद्ध हवा और पानी

- आवश्यक तत्वों से तात्पर्य और महत्व
- प्रदूषण का प्रभाव
- सरकार और जनता की भूमिका

(ख) कृत्रिम बौद्धिकता (ए.आई.) : आज की अनिवार्यता

- कृत्रिम बौद्धिकता का अर्थ
- बदलता चलन व अनगिनत लाभ
- प्रयोग में सावधानियाँ

(ग) मुझे मेरी मातृभाषा प्रिय है

- लगाव के कारण
- मातृभाषा में मेरे प्रिय लेखक व कवि
- मातृभाषा के प्रति मेरा कर्तव्य

16. आप शालीमार बाग के एन ब्लॉक में रहने वाले हर्षित / हर्षिता हैं। क्षेत्र में बढ़ती लूटमार व चोरी की घटनाओं को रोकने हेतु थाना-प्रभारी को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

आप अनुज / अनुजा हैं और डी.ए.वी. छात्रावास में रहते हैं। विद्यालय द्वारा आयोजित शैक्षणिक भ्रमण में जाने के लिए माता-पिता से अनुमति लेने हेतु पत्र लिखिए। (5)

17. कक्षा के अनुशासन में सुधार लाने हेतु कक्षा-अध्यापक / अध्यापिका और कक्षा मॉनीटर के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

अथवा

युद्ध के विनाशकारी प्रभावों पर चर्चा करते हुए आप और आपके मित्र के बीच हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। (5)

18. आप अपने विद्यालय की सांस्कृतिक समिति के सचिव हैं। 'बहू की विदा' नाटक के मंचन हेतु अभिनय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों की आवश्यकता है। इस विषय पर समस्त जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए।

अथवा

विद्यालय की ओर से अभिभावकों और विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस विषय पर जानकारी देते हुए प्रबंधक समिति की ओर से एक सूचना लिखिए। (5)

कक्षा-आठवीं
विषय-हिंदी (Higher)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं–खंड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।
- सभी खंड अनिवार्य हैं।
- खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित दो प्रश्न पूछे गए हैं।
- खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित आठ प्रश्न पूछे गए हैं।
- खंड 'ग' में पाठ्यपुस्तक पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
- उत्तरपुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई है।

खंड-'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

जन्म देने वाली माँ और जन्म के बाद भरण-पोषण करने वाली मातृभूमि से बढ़कर संसार में कोई नहीं है। माँ और मातृभूमि व्यक्ति के जीवन की अनमोल निधि हैं। 'माँ' की स्नेह और ममता व्यक्ति के दुखों को दूर करती है, वहीं मातृभूमि अपने संसाधनों से सभी का पालन-पोषण करती है। माँ अपने रक्त से सन्तान को जन्म देती है, तो मातृभूमि अपनी धरती से अन्न उगाकर जीवन देती है। दोनों ही त्याग, प्रेम और संरक्षण

की प्रतीक हैं। जो व्यक्ति इनसे सच्चा प्रेम करता है, वह किसी भी कठिनाई से नहीं घबराता और अपने कर्तव्य पर अडिग रहता है। ऐसे लोग देश के सम्मान के लिए त्याग करने को तैयार रहते हैं। ये सुख-सुविधाओं का त्याग कर कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इतिहास ऐसे वीरों की गाथाओं से भरा पड़ा है, जिन्होंने मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया उनका जीवन हमें प्रेरणा देता है कि सच्चा प्रेम केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों में दिखाई देता है। वास्तव में, जननी और जन्मभूमि स्वयं से भी श्रेष्ठ हैं, क्योंकि इनका उपकार जीवनभर चुकाया नहीं जा सकता, अतः हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी माँ और मातृभूमि का सम्मान करें, उनके प्रति सच्ची निष्ठा रखें और उनके गौरव की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें।

(i) व्यक्ति के जीवन की अनमोल निधि किसे कहा गया है? (1)

(क) माता और पिता (ख) माता और मातृभूमि

(ग) मातृभूमि और धन-दौलत (घ) मित्र और संबंधी

(ii) मातृभूमि से सच्चा प्रेम करने वाला व्यक्ति कैसा होता है? (1)

(क) सुख-सुविधाओं में लिप्त

(ख) कर्तव्य से भागने वाला

(ग) कर्तव्यनिष्ठ और त्यागी

(घ) केवल अपने बारे में सोचने वाला

(iii) नीचे दिए गए कथन (Assertion) और कारण (Reason) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनिए– (1)

कथन (A) : जननी और जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ माना गया है।

कारण (R) : ये दोनों निस्वार्थ भाव से जीवनभर अपनी सन्तानों का पालन-पोषण करती हैं।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता।

(ग) कथन (A) सत्य है परंतु कारण (R) असत्य है।

(घ) कथन (A) असत्य है परंतु कारण (R) सत्य है।

(iv) गद्यांश के अनुसार सच्चे देशभक्त व्यक्ति की दो विशेषताएँ लिखिए। (2)

(v) माँ और मातृभूमि के प्रति हमारा क्या कर्तव्य होना चाहिए? (2)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

युद्ध मानव सभ्यता के लिए एक गंभीर संकट का प्रतीक है। इतिहास यह बताता है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिए, बल्कि केवल विनाश, अशांति और दुख को जन्म दिया है। प्राचीन समय में युद्ध सत्ता और साम्राज्य विस्तार के लिए होते थे, जबकि आधुनिक युग में भी विभिन्न कारणों से संघर्ष जारी है। प्राचीन काल में युद्ध लाठी, भाला और तलवार जैसे साधारण हथियारों से लड़े जाते थे। इसके विपरीत आधुनिक युग में युद्ध अत्याधुनिक और घातक हथियारों जैसे परमाणु बम और मिसाइलों के माध्यम से लड़े जाते हैं। युद्धों के परिणामस्वरूप लाखों लोगों की जान जाती है और आर्थिक व सामाजिक ढाँचा भी प्रभावित होता है। बीसवीं शताब्दी के विश्वयुद्धों ने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध मानवता के लिए घातक है, इसलिए विश्व-शांति के लिए अनेक अंतर्राष्ट्रीय प्रयास किए गए फिर भी आज कई देशों के बीच तनाव बना हुआ है, जो विकास में बाधा डालता है। युद्ध के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे क्षेत्रों पर ध्यान कम हो जाता है और सारे संसाधन सैन्य-शक्ति में ही खर्च हो जाते हैं।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र 'वसुधैव कुटुम्बकम्' हमें यह सिखाता है कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है। यदि हम इस भावना को अपनाएँ, तो आपसी मतभेदों को संवाद और सहयोग से सुलझाया जा सकता है। शांति के वातावरण में ही राष्ट्र और मानवता का समुचित विकास संभव है, अतः आवश्यक है कि हम आने वाली पीढ़ियों को शांति, सहिष्णुता और एकता का पाठ पढ़ाएँ, ताकि वे एक सुरक्षित और समृद्ध विश्व का निर्माण कर सकें।

(i) विश्व में शांति स्थापित होने पर उसका सबसे बड़ा लाभ क्या होगा? (1)

(क) हथियारों का उत्पादन बढ़ेगा

(ख) देशों के बीच प्रतिस्पर्धा समाप्त होगी

(ग) विकास और प्रगति में वृद्धि होगी

(घ) केवल अमीर देशों को लाभ होगा

(ii) युद्ध विकास में बाधा क्यों बनता है? (1)

(क) संसाधनों का उपयोग युद्ध तक सीमित रहता है

(ख) युद्ध से लाखों लोगों की जान चली जाती है

(ग) युद्ध से आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं

(घ) संसाधनों का उपयोग अन्य क्षेत्रों में नहीं हो पाता

(iii) नीचे दिए गए कथन (Assertion) और कारण (Reason) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनिए– (1)

कथन (A) : विश्व में पूर्ण शांति स्थापित करना आसान है।

कारण (R) : सभी देश अपने हितों से ऊपर उठकर कार्य करते हैं।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता।

(ग) कथन (A) तथा (R) दोनों असत्य हैं।

(घ) कथन (A) असत्य है, परंतु कारण (R) सत्य है।

(iv) प्राचीन और आधुनिक काल के युद्धों में क्या अंतर आया है? (2)

(v) मानवता के विकास के लिए हमें आने वाली पीढ़ियों को क्या सिखाना चाहिए? (2)

खंड-'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार अथवा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए– (1)

(i) स्वय (ii) बासुरी

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए– (1)

(i) गाहक (ii) आश्चय

(ग) 'स्वतंत्र' में प्रयुक्त उपसर्ग व मूल शब्द बताइए। (1)

(घ) 'लोहा' शब्द में उचित प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नया शब्द बनाइए। (1)

4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) 'रात्रि' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)

(ख) 'अपयश' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। (1)

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– (1)

दूर की सोचने वाला

5. (क) निम्नलिखित शब्द की संधि कीजिए– (1)

सम् + जय

(ख) 'धर्मात्मा' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए। (1)

6. (क) निम्नलिखित समस्तपद का विग्रह करके समास के भेद का नाम लिखिए– (2)

(i) गली-गली (ii) राजा-रंक

(ख) नीचे दिए गए विग्रह का समस्तपद बनाकर समास के भेद का नाम लिखिए–(1)

प्राणों के समान प्रिय

7. (क) रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए– (1)

सूरज निकल आया है और तुम अभी तक नहीं उठे।

(ख) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए– (1)

किसी से ईर्ष्या मत करो

8. (क) रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए परिभाषा को पूर्ण कीजिए– (2)

जहाँ शब्द तो एक ही बार प्रयुक्त किया जाए पर उसके एक से अधिक अर्थ हों, वहाँ ..... अलंकार होता है।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए–

कालिंदी कूल कदंब की डारन।

9. निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त स्थान पर उचित विराम-चिह्न लगाइए– (2)

(क) राजा उदास होकर बोला अब क्या होगा

(ख) वह योग्य सुशील और मिलनसार है परंतु थोड़ा सनकी है

10. (क) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त मुहावरे को छाँटकर उसके प्रयोग द्वारा नए वाक्य का निर्माण कीजिए– (1)

परस्पर विरोधी दलों का सहारा लेना अपने पैरों पर स्वयं कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

(ख) निम्नलिखित वाक्य में उचित मुहावरे के प्रयोग द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– (1)

झाँसी की रानी की गाथा सुनकर विदेशी भी ..... बैठे।

खंड-'ग' (पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1x5=5)

यह खेद का विषय है कि जिस कला में प्रवीण होने पर मनुष्य को सर्वाधिक लाभ प्राप्त हो सकता है, वही जीवन में सबसे अधिक उपेक्षित है। किताबें रटकर ऊँची-ऊँची डिग्रियाँ प्राप्त करके भी बातचीत की कला में निपुण न होने के कारण अनेक लोग जीवन में उन्नति नहीं कर पाते, जबकि अनेक लोग बात करने की योग्यता और व्यवहार कुशलता के बल पर उन्नति के शिखर पर पहुँच जाते हैं। बातचीत की योग्यता का प्रभाव केवल घर-परिवार तथा रोज़मर्रा के जीवन में ही नहीं, बल्कि स्कूल, कॉलेज तथा शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्रों, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक गोष्ठियों, सभा-समारोह विक्रय केंद्रों व व्यापारिक केंद्रों में भी दृष्टिगोचर होता है। बातचीत करते समय हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम अपने से अधिक महत्व उस व्यक्ति को दें, जिससे हम बातचीत कर रहे हैं। बातचीत करते समय हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम अपने से

अधिक महत्व उस व्यक्ति को जिससे हम बातचीत कर रहे हैं। हम दूसरों की सुख-सुविधा, रुचि-अरुचि, विचारों, सिद्धांतों, भावनाओं और मान-सम्मान का पूरा-पूरा ध्यान रखें। उनकी पसंद के प्रति रुचि दिखाते हुए अपने विचार व्यक्त करें। बिना सोचे-समझे जल्दी में कुछ भी बोलना बातचीत के सिद्धांत के विरुद्ध है।

(i) बातचीत की योग्यता का प्रभाव कहाँ दृष्टिगोचर होता है?

(क) रोज़मर्रा के जीवन में (ख) स्कूल और कॉलेज में

(ग) घर-परिवार में (घ) सभी स्थानों पर

(ii) बातचीत करते समय हमें क्या ध्यान रखना चाहिए?

(क) विचारों, सिद्धांतों और भावनाओं का

(ख) खेलकूद, भावनाओं का

(ग) मानसिक पीड़ा और प्रताड़ना का

(घ) अपने सिद्धांतों और स्तर का

(iii) निम्नलिखित में से क्या बातचीत के सिद्धांत के विरुद्ध है?

(क) दूसरों का ध्यान रखना

(ख) सिद्धांतों और भावनाओं का ध्यान रखना

(ग) सुख-सुविधा का ध्यान रखना

(घ) बिना सोचे-समझे जल्दी में बोलना

(iv) प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए क्या आवश्यक है?

(क) ऊँची-ऊँची डिग्रियाँ हासिल करना

(ख) अपनी रुचि के अनुसार कार्य करना

(ग) पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर अहं का भाव रखना

(घ) व्यवहार कुशल और बातचीत-कला में निपुण होना

(v) 'व्यवहार कुशलता' का क्या अर्थ है?

(क) पढ़ाई में तेज़ होना और उन्नति करना

(ख) अच्छे ढंग से व्यवहार और बातचीत करना

(ग) स्वस्थ होना और खेल-कूद में अच्छा होना

(घ) पैसे कमाना और प्रभावशाली व्यक्तित्व होना

12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1×5=5)

वह चले झोंके कि काँपे
भीम कायावान भूधर,
जड़ समेत उखड़-पुखड़कर
गिर पड़े, टूटे विटप वर,
हाय, तिनकों से विनिर्मित
घोंसलों पर क्या न बीती,
डगमगाए जबकि कंकड़,
ईंट, पत्थर के महल-घर;
बोल आशा के विहंगम,
किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज तान फिर-फिर!

(i) 'भीम कायावान भूधर' कविता में किसका प्रतीक है?

(क) अभिमानी व्यक्ति

(ख) महाभारत का योद्धा भीम

(ग) हाथी की काया वाला व्यक्ति

(घ) विशाल पर्वत

(ii) भयंकर झंझावात और तूफान में भी कौन अडिग रहा?

(क) बड़े-बड़े वृक्ष (ख) आशा के विहंगम

(ग) पथिक (घ) पक्षी

(iii) 'घोंसलों पर क्या न बीती' कवि इस पंक्ति के माध्यम से क्या इंगित कर रहा है?

(क) घोंसले पर वर्षा के प्रभाव का होना

(ख) घोंसलों पर अनेक पक्षियों का आकर बैठना

(ग) घोंसले में रखे पक्षी के अंडे टूट जाना

(घ) घोंसलों का तेज़ आँधी-तूफान में टूट जाना

(iv) पुनः गर्व से सीना ताने आते हुए कविता में किसे दिखाया गया है?

(क) कवि को (ख) दुख को

(ग) आशावान व्यक्ति को (घ) तेज हवा को

(v) 'नाश के दुख से कभी दबता नहीं निर्माण का सुख' ऐसा कहकर कवि किस ओर संकेत करना चाहते हैं?

(क) विनाश के बाद कुछ नहीं टिकता

(ख) विनाश के बाद ही निर्माण होता है

(ग) विनाश के निर्माण में रूकावट है

(घ) विनाश स्थायी है

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं पाँच प्रश्नों</u> के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए– (2×5=10)

(क) गाँधी जी सिले हुए वस्त्र क्यों नहीं पहनते थे? 'आश्रम के अतिथि और संस्मरण' पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(ख) पूरा चाँद चमकता देख कर लेखक के मन में क्या विचार आया?

(ग) जीवन में कभी-कभी दो अनमेल बातें हास्य एवं विनोद का कारण बनती हैं–'बातचीत की कला' पाठ पर आधारित इस पंक्ति को उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(घ) दरबारी दारा के खिलाफ शाह के कान क्यों भरना चाहते थे? पाठ 'असल धन' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ङ) देश के इतिहास में कोया आदिवासियों ने किस प्रकार अन्याय के खिलाफ लड़ने की मिसाल स्थापित की? पाठ 'अन्याय के खिलाफ लड़ाई' के आधार पर उत्तर लिखिए।

(च) सुष्मिता ने महादेवी वर्मा को ही सोना को पालने हेतु क्यों चुना होगा? 'सोना' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए- (2x3=6)

(क) मानव समाज के समान पशु-जगत् के जीव भी अमीर और गरीब की श्रेणी में किस प्रकार आते हैं? 'दोपहरी' कविता के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ख) 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता में कवि ने पक्षी की स्वतंत्रता और मानव की आकांक्षाओं के बीच क्या संबंध दर्शाया है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'सूर और तुलसी के पद' में माताओं द्वारा श्रीराम के प्रति दुलार और स्नेह को कैसे दर्शाया गया है? इसका वर्णन कीजिए।

(घ) 'कदली, सीप, भुजंग मुख, स्वाति एक गुन तीन' पंक्ति द्वारा रहीम दास जी क्या कहना चाहते हैं? भाव स्पष्ट कीजिए।

खंड-'घ' (रचनात्मक लेखन)

15. निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए–(5)

(क) विकास आवश्यक है या पर्यावरण-संरक्षण

- पर्यावरण का महत्व
- विकास की आवश्यकता व सावधानियाँ
- विद्यार्थियों की भूमिका

(ख) खेलेंगे-कूदेंगे, बनेंगे नवाब

- विभिन्न खेलों से उज्ज्वल भविष्य
- खिलाड़ियों से प्रेरणा
- सरकार व परिवार का योगदान

(ग) यदि मेरे पास रोबोट होता

- रोबोट का बढ़ता चलन
- मेरे जीवन में रोबोट की भूमिका
- प्रयोग में सावधानियाँ

16. आप क.ख.ग. विद्यालय, दिल्ली में आठवीं कक्षा के छात्र / छात्रा, अमित / अमिता हैं। कक्षा में नए पंखे लगवाने का निवेदन करते हुए प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए।

अथवा

आप रोहिणी, दिल्ली में रहने वाले अर्पित / अर्पिता हैं। कक्षा आठवीं में अच्छे अंक लाने के लिए सुझाव माँगते हुए बड़े भाई / बहन को पत्र लिखिए। (5)

17. ग्रामीण जीवन की सुविधाओं व असुविधाओं पर चर्चा करते हुए शहर और गाँव में रहने वाले दो चचेरे भाइयों/बहनों के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

अथवा

आठवीं कक्षा में प्रथम आने वाले विद्यार्थी और प्रधानाचार्य के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए। (5)

18. आपके मोहल्ले में 'महिला दिवस' के अवसर पर सभी महिलाओं व लड़कियों के लिए क्षेत्र के विधायक द्वारा 'स्त्री सुरक्षा शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। इस विषय पर मोहल्ला अध्यक्ष की ओर से समस्त जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए।

अथवा

गैस पाइपलाइन की जाँच करने हेतु आपके क्षेत्र की ऐन ब्लॉक, शालीमार बाग की गैस पाइपलाइन सेवा 18 घंटे बंद रहेगी। इस विषय पर इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के कार्यकारी प्रबंधक की ओर से समस्त जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए। (5)